ओरल(मुँह से ली जाने वाली) मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं

प्रस्तावना

मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं का उपयोग दिमागी बीमारियाँ जैसे कि स्किजोफ्रिनिया और अन्य मनोविकारों, व्याकुलता, गंभीर चिंता, उन्माद और हिंसक या खतरनाक आवेगी व्यवहार के लिए किया जाता है। हालांकि मनोरोग प्रतिरोधी दवाएं मानसिक बीमारियों का इलाज नहीं करती हैं, लेकिन वे वास्तविकता की विकृतियां वाले लक्षणों को कम या समाप्त कर सकती हैं, जिसमें मतिभ्रम, अत्यधिक पागलपन या डर और अव्यवस्थित सोच शामिल है।

मनोविकृति के लक्षण मस्तिष्क के रसायनों (जिनको न्यूरोट्रांसमीटर कहा जाता है) के बदलाव के साथ जुड़े होते हैं, जिनमें डोपामाइन, सेरोटोनिन, नॉरएड्रेनालाईन और एसिटाइलकोलाइन शामिल हैं। ये रसायन व्यवहार के अनेकों पहलुओं जैसे कि मनोदशा, भावना, नींद पर नियन्त्रण, जागृति और खाने पर नियन्त्रण रखते हैं। मनोरोग प्रतिरोधी दवाएं इन रसायनों के संतुलन को ठीक रखने में मदद करती हैं, इस प्रकार मनोरोग लक्षणों को कम या खत्म करती हैं। व्यक्ति मनोरोग प्रतिरोधी दवा शुरू करने के छः सप्ताह के भीतर बेहतर महसूस करना शुरू कर सकता है। हालाँकि, पूरी तरह स्वस्थ महसूस करने में उसको कुछ महीने लग सकते हैं।

सामान्य ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं

सभी मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं सिर्फ डॉक्टर के पर्चे पर मिलने वाली दवाएं हैं और सिर्फ डॉक्टर के निर्देश और बारीक निगरानी के तहत ही ली जानी चाहिए। उनमें से अधिकतर ओरल रूपों जैसे कि गोलियां और ओरल सोल्यूशन में उपलब्ध हैं।

मुख्यत: दो प्रकार की ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं हैं:

- विशिष्ट (पुरानी किस्म की दवाएं): उदाहरण में कलोरप्रोमाजाइन, फ्लूपैन्थीजोल, हेलोपैरीडोल, ट्राईफ्लुओपैराजाइन, जूकलोपैन्थीजोल शामिल हैं; और

- अविशिष्ट (नवीन प्रकार की दवाएं): उदाहरण में एमीसुलप्राइड, एरीपिपराजोल, कलोजेपाइन, ओलेंजापाइन, पैलीपैरीडॉन, क्योंटियापाइन शामिल हैं

यूँ तो दोनों ही किस्म की मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं प्रभावी हैं, सामान्य तौर पर, अविशिष्ट मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं के दुष्प्रभाव विशिष्ट दवाओं की अपेक्षा कम हैं, जैसे कि मांसपेशियों की जकड़न, बेचैनी और अंगो का फड़फड़ाना (मुंह, जीभ, चेहरे, जबड़े और कभी-कभी, शरीर के अन्य भागों में अनियंत्रित

गति का होना) के होने की संभावना कम होती है। हालाँकि, अविशिष्ट दवाएं वजन बढ़ने और मधुमेह और हृदय रोग को बढ़ाने का कारण बन सकती हैं। इसलिए, चिकित्सा ले रहे मरीज की बारीकी से निगरानी करना आवश्यक है।

ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं के सामान्य दुष्प्रभाव

सभी दवाओं की तरह ही, ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं भी कुछ लोगों में दुष्प्रभाव पैदा कर सकती हैं। अधिकतर दुष्प्रभाव कुछ समय के बाद चले जाते हैं और इनको आसानी से व्यवस्थित किया जा सकता है।

सामान्य दुष्प्रभावों में शामिल है:

- उनींदापन
- अवस्था बदलते समय चक्कर आना
- सिरदर्द
- जठर की गड़बड़ी
- धुंधलापन
- मुँह का सूखापन
- कब्ज
- यौन क्षमता में परिवर्तन
- मतली और उल्टी

ओरल मनोरोग प्रतिरोधक विशिष्ट दवाओं के शारीरिक गतिविधि संबंधी अपेक्षाकृत अधिक दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जैसे कि:

- अकड़ाहट
- लगातार मांसपेशी में ऐंठन
- झटके
- बेचैनी
- अंगो का फड़फड़ाना (अक्सर लम्बे समय तक दवा लेने वाले या अधिक मात्रा में दवा लेने वाले मरीजों में हो जाता है)

अविशिष्ट मनोरोग प्रतिरोधी दवाएं वजन बढ़ने और व्यक्ति के चयापचय में बदलाव होने का कारण हो सकती हैं। यह किसी व्यक्ति के मधुमेह और उच्च रक्तवसा के बढ़ने के खतरे को बढ़ा सकती है।

ओरल मनोरोग प्रतिरोधी दवाओं के साथ सावधानियां

- हृदय रोग, पार्किन्संस रोग, मिर्गी, अवसाद, मांसपेशी की कमजोरी, प्रोस्टेटिक की अतिवृद्धि, कोण-बंद मोतियाबिंद के लिए संवेदनशीलता, गंभीर शवसन रोग, पीलिया और रक्त विकार वाले रोगियों को सावधानी के साथ देनी चाहिए।
- मूर्छित अवस्था के, या तंत्रिका तन्त्र अवसाद और फियोक्रोमोसाईंटोमा वाले मरीजो को नहीं दी जानी चाहिए।
- गुर्दे की गंभीर खराबी वाले मरीजो को मनोरोग प्रतिरोधी की छोटी खुराक के साथ शुरू करना चाहिए।
- लम्बे समय तक इस्तेमाल के बाद तुरंत बंद करने से बचे। मनोरोग प्रतिरोधी दवाओं को तुरंत लेना छोड़ देना, मतली, उल्टी, दस्त, पसीना आना और सिरदर्द जैसे लक्षणों को तेजी से बढ़ा सकता है।
- कुछ मुँह से ली जाने वाली मनोरोग प्रतिरोधी दवाएं उनींदापन ला सकती हैं या मानसिक सतर्कता को हानि पहुंचा सकती हैं। अगर आपको दवा लेने के बाद उनींदापन या मानसिक सतर्कता में बाधा का अनुभव होता है तो गाड़ी या मशीनरी न चलायें।
- मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं को लेते समय वजन, ग्लूकोस का स्तर, रक्तचाप, वसा का स्तर, सम्पूर्ण रक्त की संख्या, यूरिया और इलेक्ट्रोलाइट्स और यकृत की कार्यशीलता की नियमित जाँच डॉक्टर द्वारा करवाते रहना चाहिए।
- मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं (मुख्यत: अविशिष्ट मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं के लिए) पागलपन वाले बुजुर्ग मरीजों में और पहले से मौजूद स्ट्रोक के खतरों के कारकों वाले मरीजों में स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकती हैं।
- गर्भावस्था की तीसरी तिमाही पर मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं के संपर्क में आने वाले नवजात शिशुओं को प्रसव के दौरान एक्स्ट्रामाइराइडल और/या निकासी का खतरा रहता है। इन नवजात शिशुओं में व्याकुलता, अतितनाव, अल्पतनाव, कम्पन, सुस्ती, श्वसन तन्त्र में गड़बड़ी और खाद्य विकार जैसे लक्षण पाए गए हैं। इन जटिलताओं की गंभीरता में विविधता है; जबकि कुछ मामलों में लक्षण स्वयं-सीमित थे, और दूसरे मामलों में नवजात शिशुओं को गहन देखभाल इकाई सहायता और लम्बे समय तक अस्पताल में रहने की जरूरत पड़ी।

ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं को लेने पर सामान्य सलाह

- यदि आप ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं ले रहे हैं तो मदिरा के सेवन से बचे क्योंकि यह दवा से होने वाले दुष्प्रभावों के खतरे और तीव्रता को बढ़ा सकती है।
- अपनी दवा के इस्तेमाल पर डॉक्टर की सलाह का अनुसरण करें। उपचार को स्वयं ही बंद या उसमें बदलाव न करें। अगर आप ठीक महसूस कर रहे हैं तब भी दवा लेना जारी रखना चाहिए।
- जो दवा आप ले रहें है उसके नाम और खुराक से परिचित रहें। उनके संभावित दुष्प्रभावों से सावधान रहें।
- अत्यधिक गर्म और नम वातावरण से बचे क्योंकि हो सकता है कि आपकी ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवा आपके शरीर के ताप और रक्त दबाव को विनियमित करने की क्षमता को प्रभावित कर दे।

अपने डॉक्टर के साथ संवाद करें

- बेहतरीन उपचार विकल्प के लिए अपने डॉक्टर के साथ संवाद करें। आपकी स्थिति और दवा के प्रति आपकी प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए आपका डॉक्टर आपको सबसे उचित दवा देगा।
- आप जो दवा ले रहे हों उसके बारे में अपने डॉक्टर या फार्मासिस्ट को सूचित करें क्योंकि आपकी दवा ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवा पर परस्पर प्रभाव डाल सकती है। आपको उन्हें उस बीमारी से भी अवगत करवाना चाहिए जो आपको हैं क्योंकि कुछ बीमारियों में विशेष परहेज बरतने की जरूरत हो सकती है।
- यदि आप गर्भवती हैं या स्तनपान करवाती हैं तो अपने डॉक्टर को सूचित करें क्योंकि कुछ ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाएं इस समय के दौरान महिलाओं को नहीं लेनी चाहिए।
- अगर आपको अंदेशा है कि आपकी मनोरोग प्रतिरोधक दवा से आपको ऐसे दुष्प्रभावों का अनुभव हो रहा है जो निर्धारित हैं और आपकी रोजाना की जिंदगी को प्रभावित कर रहें है तो अपने डॉक्टर की सलाह लें।
- किसी भी दूसरी दवाओं या स्वास्थ्य उत्पादों को लेने से पहले हमेशा अपने डॉक्टर को पूछे क्योंकि ये असर के प्रभाव या आपकी दवाओं के दुष्प्रभाव को बढ़ा सकती है।

ओरल मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं का भंडारण

मनोरोग प्रतिरोधक दवाओं को ठंडी और सूखी जगह पर रखना चाहिए। जब तक लेबल पर निर्दिष्ट न हो, दवाओं को रेफ्रीजरेटर में संग्रहित नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा, बच्चों द्वारा दवाएँ निगले जाने के खतरे से बचने के लिए सभी दवाओं को बच्चों की पहुँच से दूर उचित तरीके से रखा जाना चाहिए।

अभिस्वीकृति: औषधि कार्यालय व्यवसायिक विकास और गुणवत्ता आश्वासन (PD&QA) को इस लेख की तैयारी में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता है।

दवा कार्यालय
स्वास्थ्य विभाग
जनवरी 2021